प्रतिदर्श प्रश्नपत्र द्वितीय सत्र 2021-22

विषय- हिंदी 'ब'
कोड - 085
कक्षा - दसवीं

समय : 2 घंटे पूर्णांक - 40

सामान्य निर्देश :
* इस प्रश्न पत्र में कुल 2 खंड हैं - खंड 'क' और 'ख' ।
* खंड 'क' में कुल 3 प्रश्न हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए इनके उत्तर दीजिए।
*खंड 'ख' में कुल 5 प्रश्न हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए इनके उत्तर दीजिए।
*कुल प्रश्नों की संख्या 8 है।
*प्रत्येक प्रश्न को ध्यान पूर्वक पढ़ते हुए यथासंभव क्रमानुसार उत्तर लिखिए।

खंड - क

प्रश्न 1 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 25 से 30 शब्दों में दीजिए- (2×2=4 अंक)

(क) 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता में पर्वत द्वारा अपना प्रतिबिंब तालाब में देखना पर्वत के किन मनोभावों को स्पष्ट करना चाहता है?

(ख) 'कर चले हम फ़िदा' कविता और 'कारतूस' एकांकी के भावों की तुलना कीजिए । विश्लेषण करते हुए अपने मत के समर्थन में तर्क प्रस्तुत कीजिए ।

(ग) वज़ीर अली के जीवन का लक्ष्य अंग्रेज़ों को इस देश से बाहर करना था। 'कारतूस' पाठ के आधार पर कथन की सत्यता सिद्ध कीजिए।

प्रश्न 2 निम्नलिखित दो प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में दीजिए- (4×1 =4 अंक)

(क) मृगाक्षी एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में मैनेजर के पद पर आसीन है। श्रेष्ठ संचालन व बहुमुखी प्रतिभा की धनी होने के साथ ही बुद्धिमानी से तथ्यों को सुलझाने और सभी कार्यों को व्यवस्थित करने में उसका कोई सानी नहीं। वह रात-दिन काम में जुटी रहती है। कंपनी के स्तर को बढ़ाने के लिए सदैव प्रयासरत रहती है। कुछ दिनों से उसके सिर में दर्द रहने लगा है तथा नींद भी ठीक से नहीं आती है। ज़रा-ज़रा सी बात में चिड़चिड़ापन होता है तथा अक्सर उदासी उसे घेरे रहती है।

इसका क्या कारण हो सकता है? 'पतझर में टूटी पत्तियाँ' पाठ में 'झेन की देन' हमें जो सीख प्रदान करती है, क्या वह मृगाक्षी के लिए सही साबित हो सकती है? स्थिति का मूल्यांकन करते हुए अपने विचार लिखिए। (4 अंक)

अथवा

(ख) दुनिया भर में असहिष्णुता लगभग आम हो गई है। जाति, धर्म, रंग और वैचारिक रूप से भिन्न दृष्टिकोण रखने वाले लोगों के प्रति असहिष्णुता की घटनाएँ बढ़ती जा रही हैं। सहिष्णुता की परिभाषा पर विचार करें तो जिस विश्वास और प्रथा को हम पसंद नहीं करते उसमें बाधा डालने की बजाय संयम बरतना ही सहिष्णुता है।

कवि मैथिलीशरण गुप्त जी ने कहा, 'अतर्क एक पंथ के सतर्क पंथ हों सभी।' इस पंक्ति की सार्थकता व वर्तमान समय में इसका औचित्य स्थापित कीजिए।

प्रश्न 3 पूरक पाठ्यपुस्तक संचयन के किन्हीं तीन प्रश्नों में से दो के उत्तर दीजिए। (3 × 2=6)

(क) कल भी उनके यहाँ गया था, लेकिन न तो वह कल ही कुछ कह सके और न आज ही। दोनों दिन उनके पास मैं देर तक बैठा रहा, लेकिन उन्होंने कोई बातचीत नहीं की। जब उनकी तबीयत के बारे में पूछा तब उन्होंने सिर उठाकर एक बार मुझे देखा फिर सिर झुकाया तो दुबारा मेरी ओर नहीं देखा। हालाँकि उनकी एक ही नज़र बहुत कुछ कह गई। जिन यंत्रणाओं के बीच वह घिरे थे और जिस मनःस्थिति में जी रहे थे, उसमें आँखें ही बहुत कुछ कह देती हैं, मुँह खोलने की ज़रूरत नहीं पड़ती।

हरिहर काका की पंद्रह बीघे ज़मीन उनके लिए जी का जंजाल बन गई। कथन के आलोक में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(ख) लेखक गुरदयाल सिंह अपने छात्र जीवन में छुट्टियों के काम को पूरा करने के लिए योजनाएँ तैयार करते थे । क्या आप की योजनाएँ लेखक की योजनाओं से मेल खाती हैं? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

(ग) वह तो जब डॉक्टर साहब की ज़मानत ज़ब्त हो गई तब घर में ज़रा सन्नाटा हुआ और टोपी ने देखा कि इम्तहान सिर पर खड़ा है।

वह पढ़ाई में जुट गया। परंतु ऐसे वातावरण में क्या कोई पढ़ सकता था? इसलिए उसका पास ही हो जाना बहुत था।

"वाह!" दादी बोलीं, "भगवान नज़रे-बद से बचाए। रफ़्तार अच्छी है। तीसरे बरस तीसरे दर्जे में पास तो हो गए।...."

टोपी ज़हीन होने के बावजूद कक्षा में दो बार फेल हो गया। जीवन में प्रतिकूल परिस्थितियों से हार मान लेना कहाँ तक उचित है*?* टोपी जैसे बच्चों के विषय में आपकी क्या राय है*?*

खंड - ख (लेखन)

प्रश्न **4** निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 150 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए - (6 अंक)

(क) आभासी शिक्षण अधिगम प्रक्रिया

- आरंभ कब और कैसे
-लाभ - हानि, सावधानियाँ
-स्थिति से सामंजस्य

(ख) क्यों आवश्यक है सहनशीलता
- सहनशीलता का अर्थ
-इसकी आवश्यकता
- नैतिक मूल्य एवं सुखद जीवन

(ग) मेरे सपनों का भारत
-कैसा है?
-क्या अपेक्षा है
-आपका कर्तव्य

प्रश्न 5 निम्नलिखित आप शौर्य /शारवी हैं। आपने अपने लिए ऑनलाइन पुस्तकें खरीदीं थीं । रुपये जमा हो गए परंतु पुस्तकें प्राप्त नहीं हो सकीं । इस बात की शिकायत करते हुए संबंधित अधिकारी को लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए। (5 अंक)

अथवा

आप सृष्टि/ सार्थक हैं। बंगलुरु से चेन्नई शताब्दी एक्सप्रेस में यात्रा करते समय आपका कीमती सामान वाला बैग जल्दबाजी में गाड़ी में ही रह गया। आपके द्वारा की गई शिकायत से आपको अपना बैग वापस मिल गया। प्रबंधन की प्रशंसा करते हुए किसी समाचार पत्र के संपादक को लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए।

प्रश्न 6 (क) आप निवासी कल्याण संघ (रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन) के अध्यक्ष रमेश सुब्रमण्यम हैं। अपने क्षेत्र के मुख्य पार्क में आयोजित होने वाले योग- शिविर के विषय में जानकारी देते हुए लगभग 50 शब्दों में एक सूचना तैयार कीजिए। (2.5 अंक)

आप साहित्य संघ की सचिव सुपोरना चक्रवर्ती हैं। आपके क. ख. ग. विद्यालय में वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित होने वाली है। इसके लिए एक सूचना लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए।

(ख) आप कक्षा दसवीं के लिओनार्ड/ बर्नडैट हैं। विद्यालय के बॉस्केटबॉल मैदान में आपको एक घड़ी मिली है। इससे संबंधित सूचना विद्यालय के सूचनापट्ट के लिए तैयार कीजिए। जिससे घड़ी खोने वाला छात्र उसे प्राप्त कर सके। यह सूचना लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए। (2.5 अंक)

अथवा

आप अपने विद्यालय में इको क्लब के अध्यक्ष हैं। पर्यावरण दिवस के लिए आप विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करना चाहते हैं । इको क्लब के सभी सदस्यों की सभा इसी संदर्भ में आयोजित करने के लिए विद्यालय के सूचनापट्ट के लिए एक सूचना-पत्र लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए।

प्रश्न 7 (क) स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए सरकार की ओर से एक विज्ञापन लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए। (2.5 अंक)

अथवा

आपके विद्यालय में एक कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है जिसमें हास्य कवि सुरेंद्र शर्मा जी विशेष अतिथि के रुप में आमंत्रित हैं । इसका प्रचार-प्रसार करने के लिए लगभग 50 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए।

(ख) आपके क्षेत्र में निवासी कल्याण संघ (रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन) द्वारा एक पुस्तकालय तैयार किया गया है जिसमें प्रत्येक आयु वर्ग के लिए पुस्तकें उपलब्ध हैं। इसके प्रचार-प्रसार के लिए लगभग 50 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए। (2.5 अंक)

अथवा

आपकी कक्षा को विद्यालय के मेले के लिए हस्तनिर्मित सामग्री और चित्रों की प्रदर्शनी लगानी है। अपनी प्रदर्शनी के लिए लगभग 50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

प्रश्न 8 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में लघुकथा लिखिए। (5 अंक)

परोपकार का परिणाम

अथवा

अपूर्व संतोष